केंद्र व राज्य घटाएं पेट्रोल-डीजल के दाम

उज्वल अग्रवाल/प्रतिदिन अखबार

अजय अग्रवाल

ऑल ट्रेडर्स एसो. अचलपुर तालुका अध्यक्ष अजय अग्रवाल का प्रतिपादन

वर्ष	क्रूड ऑईल की कीमत प्रति बैरल डॉलर	पेट्रोल की कीमत	दिल्ली डीजल की कीमत
मई 2014	106.85	71.41	56.71
मई 2015	63.82	63.16	49.57
मई 2016	45.01	62.19	50.95
मई 2017	50.57	68.09	57.35
मई 2018	75.25	74.63	65.93
मई 2019	70.01	73.13	66.71
मई 2020	30.61	69.59	62.29
फरवरी 2021	65.19	90.93	81.32
मार्च 2022	140.00	101.85	93.11
फरवरी 2023	76.63	96.76	89.66

परतवाड़ा, 22 फरवरी- महंगाई पर काबू पाने के लिए सरकार को पेट्रोल-डीजल पर एक्साइज ड्यूटी में कमी करनी चाहिए, ऐसा प्रतिपादन ऑल ट्रेडर्स असोसिएशन के अचलपुर तालुका के अध्यक्ष अजय अग्रवाल ने किया है. इन्होंने आगे बताया कि, जनवरी 2023 खुदरा महंगाई दर 6.52 प्रतिशत रहने की संभावना जताई थी. लेकिन यह लिमिट टूट गई है. इसके बाद महंगाई पर काबू पाने के लिए रिजर्व बैंक ने केंद्र सरकार को तेल पर एक्साइज ड्यूटी कम करने की सलाह दी है. केंद्र और राज्य चाहे तो आसानी से एक्साइज और वैट टैक्स में कुछ छूट दी जा सकती है.

भारत अपनी जरूरत का 25 प्रतिशत तेल रूस से ही मंगाता है. मार्च 2022 के बाद ईराक और सऊदी अरब को पीछे छोड़कर सबसे ज्यादा खरीदा. इंटरनेशनल मार्केट में क्रूड ऑईल की कीमत 70 डॉलर प्रति बैरल थी लेकिन रूस करीब 60 डॉलर प्रति बैरल हिसाब से भारत को बेच रहा है.

मार्च 2022 में कच्चे तेल की कीमत 140 डॉलर प्रति बैरल थी, वहीं 17 फरवरी को कच्चे तेल की कीमत 76 डॉलर प्रति बैरल थी. यानी कच्चे तेल की कीमतों में काफी कमी आई है.

तेल कंपनियों का घाटा पूरा हुआ

वैसे देखा जाए तो इंडियन ऑईल कॉर्पो. (आयओसीएल), भारत पेट्रोलियम (बीपीसीएल), हिंदुस्तान पेट्रोलियम (एचपीसीएल) ने पिछले 16 महीनों से पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कमी नहीं की है. तेल कंपनियां पेट्रोल के अलावा डीजल पर भी मुनाफा कमा रही हैं.

तेल कंपनियों का मुनाफा बढ़े तो मुनाफे पर सरकार टैक्स लगाती है. इसे विंडफॉल टैक्स कहा जाता है. 16 फरवरी 2023 को केंद्र सरकार ने तेल कंपनियों के लिए जाने वाला एक्स्ट्रा विंड फॉल टैक्स घटाने का निर्णय लिया है. अब तक प्रति लीटर डीजल पर कंपनियां 7.50 रुपये तक विडंफॉल टैक्स लेती थीं, लेकिन अब 2.50 रु. ही देना होगा.

इस तरह प्रति टन क्रूड ऑईल पर लगने वाला विंडफॉल टैक्स 5050 रुपए से घटकर 4350 रुपए रह जायेगा. ऐसे में सरकार आसानी से पेट्रोल-डीजल की कीमत में कमी कर सकती है. इससे न तो सरकार और न ही तेल कंपनी को ज्यादा नुकसान होगा.

अब तक तेल कंपनिया अंतरराष्ट्रीय बाजार में महंगे क्रूड का हवाला देते हुए पेट्रोल और डीजल दोनों की बिक्री पर नुकसान दिखा रही थी. मगर अब पेट्रोल पर करीब 10 रुपये प्रति लीटर का एक्साइज कंपनियों को मिल रहा है और डीजल पर मुनाफा कमा रही है.

पेट्रोल-डीजल से 8 साल में केंद्र सरकार की कमाई 2.48 लाख करोड़ रुपये और राज्य सरकारों की कमाई 1.59 लाख रुपये बढ़ी है. किन्तु अब परिस्थितियों के आकलन के पश्चात केंद्र सरकार और राज्य सरकार एक्साइज ड्यूटी व वैट में छूट देकर करीब 7 से 8 रुपए प्रति लीटर दर घटाकर आम जनता को राहत दे सकती है. मुद्रा स्थिति भी काबू में रहेगी. परिवहन लागत में कमी भारत की अर्थव्यवस्था में रिकवरी होगी.

'अमृत' योजना अंतर्गत विदर्भ के 26 रेलवे स्टेशनों का होगा कायापलट

अकोला, अमरावती, चंद्रपुर, वर्धा सहित प्रमुख स्टेशनों का समावेश

प्रतिनिधि/प्रतिदिन अखबार

अश्विनी वैष्णव

अकोला, 22 फरवरी- केंद्र सरकार द्वारा बजट में घोषित किए अनुसार 'अमृत भारत स्टेशन योजना' में विदर्भ के 26 से अधिक रेलवे स्टेशनों का कायापलट होगा. मध्य रेलवे व दक्षिण मध्य रेलवे के मार्गों पर स्थित छोटे-बड़े रेलवे स्टेशनों पर यात्री अभिमुख अत्याधुनिक मूलभूत सुविधा उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से यह योजना चलाई जा रही है.

छोटे-बड़े रेलवे स्टेशनों पर मूलभूत सुविधा उपलब्ध करवाने को चालना देने के उद्देश्य से तथा यात्रियों के लिए सुविधा उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से अमृत भारत स्टेशन योजना की घोषणा की गई थी. रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव ने विद्यमान मूलभूत सुविधाओं के आधुनिकीकरण पर जोर देने के उद्देश्य से शुरू की गई इस योजना से रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास को चालना दी जा रही है. अभी तक दुर्लक्षित रहे रेलवे स्टेशनों सहित देशभर के 68 रेलवे विभाग में आनेवाले 1275 रेलवे स्टेशनों को इस योजना के माध्यम से नई पहचान देने का प्रयास किया जाएगा.

कौन सी सुविधा मिलेगी ?

- यातायात की व्यस्तता हल करने के लिए रास्ते बड़े बनाना
- पैदल आने-जाने के मार्गों का आधुनिकीकरण करना
- पार्किंग स्थल की जगह को विस्तारित करना
- महिला व दिव्यांगों के लिए विशेष सुविधा देना
- इमारतों का आधुनिकीकरण करके प्रतीक्षालयों की संख्या बढ़ाना
- उस परिसर की सांस्कृतिक पहचान के संबंध में जानकारी देना
- रेल गाड़ियों का टाइमटेबल बताने वाले फलक का अत्याधुनिकीकरण करना

निम्न स्थानकों का समावेश

नागपुर, अजनी, इतवारी (नागपुर), काटोल, नरखेड़, अकोला, वाशिम, मुर्तिजापुर, अमरावती, बडनेरा, शेगांव, मलकापुर, नांदुरा, भंडारा रोड, धामणगांव, गोधनी (नागपुर), आमगांव (गोंदिया), गोंदिया, चंद्रपुर, हिंगणघाट, बल्लारशाह, तुमसर रोड, वर्धा, पुलगांव, सेलू, सेवाग्राम आदि .

ऑनलाइन सात-बारह जैसी सुविधा केवल एक क्लिक पर

प्रतिनिधि/प्रतिदिन अखबार

अमरावती, 22 फरवरी- किसान तथा नागरिकों को ऑनलाइन सात-बारह तथा तत्सम सुविधा के लिए अब शासकीय तथा पटवारी कार्यालय में जाने की आवश्यता नहीं है. केवल मशीन के एक क्लिक पर ऑनलाइन स्वरुप में सात-बारह तथा अन्य सुविधा सामान्य नागरिकों के लिए उपलब्ध कर दी गई है. नागरिकों को इस सुविधा का लाभ लेने का आवाहन जिलाधिकारी पवनीत कौर ने किया है.

जिलाधिकारी कार्यालय में ऑनलाइन सात-बारह प्राप्त होने वाले मशीन का जिलाधिकारी पवनीत कौर के हाथों उद्घाटन किया गया. इस अवसर पर वह बोल रही थीं. निवासी उपजिलाधिकारी विवेक घोडके, उपजिलाधिकारी रणजीत भोसले, अतिरिक्त जिला सूचना अधिकारी मनीष फुलझेले, जिला प्रकल्प व्यवस्थापक प्रफुल्ल मेहेर आदि उपस्थित थे. इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि, किसान तथा नागरिकों को शासकीय योजना का लाभ तत्काल मिले तथा आवश्यक दस्तावेजों के लिए उन्हें समय बर्बाद न करना पड़े इसके लिए सूचना तकनीकी का इस्तेमाल कर उसमें पारदर्शिता व गति निर्माण करने का शासन का प्रयास है. इस माध्यम से शासकीय कामकाज में तेजी और पारदर्शकता के लिए सात-बारह मशीन सहायक साबित होने वाली है. इसमें पुराने सात-बारह, कोतवाल बुक, गांव नमूना 8-अ, पंजीयन, पुराने फेरफार तथा ऑनलाइन सात-बारह की सुविधा उपलब्ध कर दी गई है.

इस सुविधा के तहत शासकीय पंजीयन कक्ष के सभी कागजपत्र सूचना तकनीक का इस्तेमाल कर ऑनलाइन किए रहने की जानकारी पवनीत कौर ने दी.

ऑनलाइन सात-बारह मशीन अंतर्गत प्रत्येक सुविधा के लिए केवल 30 रुपए खर्च आनेवाला है. इस मशीन का इस्तेमाल किसान तथा नागरिकों को आसानी से करना संभव है.इस मशीन में सभी को समझ सके, ऐसी आसान भाषा में सूचना दी गई है.इसमें जो सुविधा चाहिए उसका चयन कर आवश्यक कागजपत्र तत्काल प्राप्त करते आ सकेंगे. मशीन की स्क्रीन पर सर्वप्रथम जिला नियुक्त कर उसमें तहसील, गांव का नाम, आवश्यक कागजपत्र के नाम, सुविधा का नाम चयनीत कर शुल्क अदा करना पड़ेगा. पश्चात संबंधित कागज पत्रों की प्रिंटआउट प्राप्त होगी. नागरिकों को इस यंत्रणा का इस्तेमाल करते समय मार्गदर्शन मिलने के लिए यह मशीन अमरावती तहसील कार्याल में कार्यान्वित की गई है. यहां के संबंधित कर्मचारी इस बाबत नागरिकों को मार्गदर्शन करने वाले हैं. सात-बारह डिजिटल हस्ताक्षर में तैयार किए रहने से उस पर कोई भी हस्ताक्षर अथवा मुहर की आवश्यकता नहीं है,ऐसा उपजिलाधिकारी रणजीत भोसले ने कहा है.

मरीज की बेटी पर अत्याचार

अकोला- स्थानीय सरकारी मेडिकल कॉलेज में इलाज हेतु भर्ती मरीज की 17 वर्षीय बेटी पर एक युवक ने खुद को डॉक्टर बताकर उसे दवाई पिलाने के नाम पर ले जाकर अत्याचार किया. आरोपी की पहचान जलगांव जामोद निवासी किशोर प्रल्हाद वानखड़े के तौर पर हुई है.

जिले में 11 पीएचसी व 37 स्वास्थ्य उप्रकेंद्रों की जरूरत

प्रतिनिधि/प्रतिदिन अखबार

जनप्रतिनिधियों और जिला स्वास्थ्य विभाग की मांग

- बढ़ती जनसंख्या और स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार लाने के लिए की गई मांग.
- पीएचसी, 37 स्वास्थ्य उपकेंद्र बनने के बाद हजारों को मिलेगा लाभ
- अनेक लोगों को भी मिलेगा रोजगार

अमरावती, 22 फरवरी- जिले में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने और ग्रामीण भागों के लोगों को समय पर उपचार मिले सके, इसके लिए ग्रामीण भागों में 11 स्वास्थ्य केंद्र और 37 प्राथमिक स्वास्थ्य उपकेंद्रों की आवश्यकता है. जरूरत पूरी करने के लिए जनप्रतिनिधियों और जिला स्वास्थ्य विभाग की ओर से मांग की गई है.

अमरावती जिले में वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार जिले की जनसंख्या 18 लाख 78 हजार है. जनसंख्या के आधार पर जिले में 66 प्राथमिक केंद्र और 393 उपकेंद्रों की जरूरत है. इसके आधार पर जिले में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने और लोगों का समय पर उपचार हो सके, इसके लिए 11 स्वास्थ्य केंद्र और 37 प्राथमिक स्वास्थ्य उपकेंद्रों की जरूरत है. हाल ही में नागपुर में बैठक आयोजित की गई, इसमें यह मुद्दा भी उठाया गया है.

इन गांवों में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की मांग

धारणी तहसील के टिटंबा, चार्कदा, चिखलदरा में गौरखेड़ा बाजार, आवागढ़ अमरावती में पुसदा, चांदूर बाजार में तलेगांव मोहना, अंजनगांव में भंडारज, तिवसा में कौंडण्यपुर, मोर्शी के पिंपलखुटा, शिरखेड़ और अचलपुर तहसील के रासेगांव में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बनाने की मांग की है.

इन तहसीलों में उपकेंद्र

अमरावती जिले के मेलघाट में 13, अमरावती में 1, भातकुली में 3, तिवसा में 1, चांदूर रेलवे में 1, दर्यापुर में 2, अंजनगांव सुर्जी में 1, अचलपुर में 3, चांदूर बाजार में 4, मोर्शी में 7 और वरुड़ तहसील में 1 उपकेंद्र बनाने की मांग की गई है.

अंजनगांव में भव्य शिवजयंती मनाई

संवाददाता/प्रतिदिन अखबार

अंजनगांव सुर्जी, 22 फरवरी- शहर में शिवजयंती महोत्सव निमित्त मराठा सेवा संघ द्वारा विविध कार्यक्रमों का आयोजन मराठा सेवा संघ, संभाजी ब्रिगेड, जिजाऊ ब्रिगेड, संगित सूर्य केशवराव भोसले सांस्कृतिक परिषद, वीर भगतसिंह विद्यार्थी परिषद व अन्य समविचारी संगठनों ने प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी शिवजयंती महोत्सव का आयोजन किया गया था. रविवार, 19 फरवरी

झांकी व शोभायात्रा बनी आकर्षण का केंद्र

को अंजनगांव नगरी में स्थानीय गणेश नगर से दोपहर 3 बजे भव्य शोभायात्रा निकाली गई. शोभायात्रा में भारी संख्या में अबाल, वृध्द व युवक-युवतियां सहभागी हुए थे. शोभायात्रा का जगह-जगह नागरिकों ने स्वागत किया तथा मुस्लिम समाज की ओर से भी शिवाजी महाराज के पुतले को माल्यार्पण कर अभिवादन किया गया. शोभायात्रा गणेश नगर से ओम चौक, काठी पुरा, कोकाटखेल, शनिवारापेठ पान अटाई, गुजलारपुरा होते हुए नगर परिषद विद्यालय के प्रांगण तक बैंड व ढोल-ताशे की धुन पर थिरकते हुए नागरिक जयकारा लगा रहे थे. शाम 6 बजे प्रबोधन प्रद व्याख्यान का आयोजन साप्ताहिक बाजार स्थित नगर परिषद विद्यालय

मराठा सेवा संघ का उपक्रम

के प्रांगण में 'बहुजन महामानवों के बदनामी का षड़यंत्र और अपनी जिम्मेदारियां' नामक विषय पर यवतमाल के प्रभावी व्याख्याता प्रा. प्रवीण देशमुख ने व्याख्यान दिया. समारोह का उद्घाटन डॉ. राजेंद्र कोकाटे के हस्ते किया गया. कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. विजया कोकाटे ने की. अन्य अतिथियों में डॉ. राजेंद्र कोकाटे, अध्यक्ष शिवश्री बालासाहब गोडच, प्रमुख अतिथि के रूप में डॉ. विजया कोकाटे, देवीदास नेमाड़े, बंडू हंतोडकर, प्रवीण पेटकर, राजेंद्र अकोटकर, सतीश लोणकर आदि सहित भारी संख्या में शिवप्रेमी नागरिक उपस्थित थे.

मयूर डांस एकेडमी की छात्राएं ऑल इंडिया लेवल पर चमकीं

प्रतिनिधि/प्रतिदिन अखबार

अमरावती, 22 फरवरी- देवरणकर नगर स्थित मयूर डांस एकेडमी की छात्राओं ने बॉलीवुड कैटेगिरी में पुरस्कार जीते. देशभर से आए 400 स्पर्धको में पुरस्कार जीते. अखिल नटराजन अंतर सांस्कृतिक संघ की ओर से नागपुर में कवि सुरेशवर्य भट्ट सभागृह में संपन्न इस कार्यक्रम में मयूर डांस एकेडमी की गुरु सौ. किरण भेले मैडम के मार्गदर्शन में बॉलीवुड कैटेगिरी में दीपिका सोनी व देविका साहू ने प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया.

बॉलीवुड कैटेगिरी में नेत्रा अंबारे व पूनम ठाकरे ने द्वितीय पुरस्कार प्राप्त किया. दीवो कैटेगिरी बॉलीवुड में द्वितीय पुरस्कार मयूर डांस एकेडमी की दीपिका सोनी, नेत्रा अंबारे, देविका साहू ने प्राप्त किया.किरण भेले मैडम को बेस्ट कोरियोग्राफर अवॉर्ड से नवाजा गया. भेले मैडम की उत्कृष्ट कोरियोग्राफी की खूब तारीफ हुई.

हाल ही में मयूर डांस एकेडमी की 'लार्ज डांस' 'इंटरनेशनल बुक रिकॉर्ड' में मयूर डांस एकेडमी की संचालिका किरण भेले व माधुरी सुदा, नयन बोकड़े, देविका साहू, मेघा साहू का दिल्ली में आयोजित इंटरनेशनल बुक ऑफ रिकॉर्ड में सिलेक्शन हुआ है और यही ग्रुप देश के हुनरबाज इस शो में भी सिलेक्ट हुआ है. मयूर डांस एकेडमी की संचालिका किरण भेले मैडम इस जीत का श्रेय अपने विद्यार्थियों को देती हैं.

लाडखेड़ में भागवत कथा का सैकड़ों भक्तों ने लिया लाभ

प्रतिनिधि/प्रतिदिन अखबार

चंद्रकुमार जाजोदिया

अमरावती, 22 फरवरी- श्रीहरि कृपा फाउंडेशन और राधा मधुसूदन सनातन सांस्कृतिक अध्यक्ष समाजसेवी चंद्रकुमार जाजोदिया की पहल से लाडखेड़ में सैकड़ों भक्तों ने कथा का लाभ लिया. कथा प्रवक्ता के रूप में आत्मतत्वदास महाराज के मुखारविंद से नितनेम भक्तों ने कथा का रसपान किया. कथा दौरान अनेक युवाओं ने व्यसन न करने का संकल्प किया. भागवत ग्रंथ की शोभायात्रा निकाली गई.

एक सप्ताह तक गांव में वैकुंठ अवतरित होने का एहसास हो रहा था. महोत्सव की सफलता में मनोज दुधे, अंकुश असवाल, अरुण निमकर, सूरज निमकर, विराज निमकर, राजू शिरभाते, चेतन कथे, यश निमकर, रवि तायडे, युवराज निमकर, संतोष केलकर, देवेंद्र टापरे, अक्षय उंबरे व ग्रामवासियों का अतुलनीय सहयोग रहा.

जिले में राजस्थानी चरवाहों का आगमन

संवाददाता/प्रतिदिन अखबार

रिद्धपुर, 22 फरवरी- प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी सैकड़ों की तादाद में राजस्थानी चरवाहे अपने मवेशियों को लेकर जिले में दाखिल हो चुके हैं. जिससे ग्रामीण क्षेत्रों के चरवाहों में काफी नाराजगी दिखाई दे रही है. पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष ग्रामीण क्षेत्रों में मवेशियों के लिए चराई क्षेत्र ठीक नहीं है. ज्यादा बारिश हो जाने के कारण जिले के कई क्षेत्रों में कपास और तुअर की फसल काफी प्रभावित हुई थी.यही दो फसलों पर राजस्थानी चरवाहों का दारोमदार रहता है और ग्रामीण क्षेत्रों के चरवाहे भी अपने पालतू मवेशी लेकर दूरदराज के जंगलों में चले जाते हैं. वहीं दूसरी ओर मेलघाट क्षेत्र के

ग्रामीण क्षेत्रों के चरवाहों में नाराजगी

गवली चरवाहे भी अपने मवेशी और परिवार को लेकर जिले में दाखिल हो जाते हैं और बारिश शुरू होने तक यहीं पर रहना पसंद करते हैं.

चरणोई क्षेत्र की किल्लत

राजस्थानी चरवाहों के लिए यह वर्ष काफी तकलीफदेह साबित हो सकता है, क्योंकि इस वर्ष जिले के कई क्षेत्रों में चराई के लिए चारा उपलब्ध नहीं है.वहीं दूसरी ओर तूफानी बारिश होने के बावजूद भी तमाम नदियां और नाले पूरी तरह सूख चुके हैं. ग्रामीण क्षेत्रों के चरवाहे राजस्थानी चरवाहों का विरोध करते दिखाई दे रहे हैं. ग्रामीण क्षेत्रों के चरवाहों का मानना है कि वह अपने मवेशियों को चारा कहां से उपलब्ध करवाएंगे. क्षेत्र में राजस्थानी चरवाहों के अलावा मेलघाट क्षेत्र के चरवाहे भी सैकड़ों की तादाद में अपने मवेशी लेकर जिले में दाखिल हो चुके हैं. इतने सारे मवेशियों को प्रतिदिन चारा उपलब्ध होना थोड़ी दिक्कत का ही काम है.ग्रामीण के चरवाहे राजस्थानी चरवाहों पर अपना दबाव बनाने की स्थिति में दिखाई दे रहे हैं,ताकि वह अपने मवेशियों को ठीक से चारा उपलब्ध करवा सकें. इससे यह साफ नजर आ रहा है कि यह चरवाहे जिले में ज्यादा समय नहीं बिता पाएंगे.

मवेशी ही आजीविका का साधन

मवेशी ही राजस्थानी चरवाहों के आजीविका का साधन है. जिले में दाखिल होने के बाद दूध, मक्खन, खोवा तैयार करके शहरी इलाकों में बेचकर ये चरवाहे अपनी आजीविका चलाते हैं.यही इनकी आय का साधन है. ग्रामीण क्षेत्रों में राजस्थानी चरवाहों को देखना लोग ज्यादा पसंद करते हैं.लंबी लाठी, पेंचदार मूछें, ऊंची धोती उस पर राजस्थानी पहनावा देखते बनता है. यह चरवाहे अपने मवेशियों की रखवाली के लिए अपने साथ पालतू कुत्ते भी ले आते हैं, जो रात के समय मवेशियों की रखवाली करते हैं. इस वर्ष इन चरवाहों के साथ ऊंट भी बड़ी संख्या में दिखाई दे रहे हैं.

गुजराती क्रिकेट लीग 7 की टूर्नामेंट आज से

प्रतिनिधि/प्रतिदिन अखबार

अमरावती, 22 फरवरी- स्थानीय भक्तिधाम रोड स्थित दशहरा मैदान पर श्री गुजराती समाज अमरावती अंतर्गत श्री गुजराती युवक मंडल द्वारा क्रिकेट टूर्नामेंट के मुख्य आयोजक परमार लॉन व परमार रियल्टी बिल्डर एंड डेवलपर्स, सह आयोजक रघुवीर मिठाइयां, प्लाई लेम डेकोर, मि. दूल्हा, लोड्स बॉक्स, राजरसिक साम्राज्य, डिजिटल पार्टनर आर्ची लर्न व जेड एन स्टूडियो, मीडिया पार्टनर प्रतिदिन अखबार व वृत्त केसरी के संयुक्त तत्वावधान में गुजराती क्रिकेट लीग सीजन 7 का यूट्यूब द्वारा भी प्रसारण होने होने जा रहा है.

गुजराती क्रिकेट लीग सीजन 7 की शुरूआत श्री गुजराती समाज के अध्यक्ष दिलीपभाई पोपट, सचिव अमृतभाई पटेल, जयंतभाई कामदार, छबीलभाई लाठिया, प्रदीपभाई वैध, धीरूभाई सांगानी, महेंद्रभाई मालविया, नट्टूभाई भट्ट, प्रतापभाई पलेजा, ध्रुवभाई पटेल, गोविंदभाई पटेल, सुरेशभाई वैष्णव, हसमुखभाई कारिया, अमितभाई परमार, अतुलभाई सेठ, प्रेरकभाई मेहता, संवादभाई साह, गुंजन हिमांशुभाई वेद, श्री गुजराती युवक मंडल के अध्यक्ष प्रणयभाई सेठ, सचिव मालवभाई मेहता, समाज के पूर्व अध्यक्ष निलेशभाई देसाई, आकाशभाई वासानी, केतनभाई सेठिया, जयभाई जोटांगिया आदि सदस्यों की उपस्थिति में जीसीएल सीजन 7 का आज आगाज होगा. सभी मुकाबले दशहरा मैदान पर खेले जाएंगे. क्रिकेट प्रेमी भी क्रिकेट का लुत्फ उठा सकते हैं. दशहरा मैदान या यूट्यूब चैनल और क्रिक हीरो एप्लिकेशन द्वारा सीधा प्रसारण होगा.

आज के प्रथम दिन का पहला मुकाबला ब्लूकोट इलेवन विरुद्ध राइजिंग

- सुपर किंग सुबह सात बजे से होगा.
- दूसरा मुकाबला बरिस्ता ब्लास्टर विरुद्ध एसआर किंग
- तीसरा मुकाबला रामजी रॉयल विरुद्ध विश्व विक्टोरियस
- चौथा मुकाबला ड्रीम इलेवन विरुद्ध बालकृष्णा ब्लास्टर
- पांचवां मुकाबला ई वर्ल्ड मास्टर ब्लास्टर विरुद्ध बरिस्ता ब्लास्टर से होगा.